**प्रेस-विज्ञप्ति** **30 सितंबर, 2025**

# भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति प्रदान करने के लिए पीएफसी, एक्सपोर्ट फाइनेंस ऑस्ट्रेलिया (ईएफए) और सिटी का सहयोग

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी), एक महारत्न सीपीएसई तथा भारत की सबसे बड़ी एनबीएफसी, ने एक्सपोर्ट फाइनेंस ऑस्ट्रेलिया (ईएफए), ऑस्ट्रेलिया सरकार की निर्यात क्रेडिट एजेंसी के साथ साझेदारी की है, ताकि सिटी से एक ईसीए-सहायता प्राप्त वित्तपोषण सुविधा सुनिश्चित की जा सके, जो इस सुविधा के लिए एकमात्र ईसीए समन्वयक और लीड अरेंजर है।

यह लेनदेन **भारत में ईएफए की पहली वित्तपोषण पहल** है, जो दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते नवीकरणीय ऊर्जा बाज़ारों में से एक में ईएफए के प्रवेश को दर्शाता है और वैश्विक स्तर पर संधारणीय इंफ्रास्ट्रक्चर के समर्थन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह साझेदारी **भारत और ऑस्ट्रेलिया** के बीच स्वच्छ ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाने में आर्थिक और कार्यनीतिक संबंधों को मजबूत करने को भी प्रतिबिंबित करती है।

इस संरचना के तहत, ईएफए द्वारा **गारंटी** प्रदान की जा रही है ताकि पीएफसी सिटी से **यूएसडी 180 मिलियन** की राशि का जुटाव कर सके। यह निधियां संपूर्ण भारत में **नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और स्वच्छ परिवहन** पहलों सहित **ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं** में निवेश की जाएगी।

**ऋण करार** पर **30 सितंबर 2025** को **श्रीमती परमिंदर चोपड़ा**, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पीएफसी, और श्री के. बालासुब्रमण्यम, प्रबंध निदेशक, इंडिया सीईओ, सिटी द्वारा हस्ताक्षर किए गए। यह हस्ताक्षर समारोह श्री निक मैककैफ्री, भारत में ऑस्ट्रेलिया के उप उच्चायुक्त की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पीएफसी की ओर से श्री संदीप कुमार, निदेशक (वित्त), सुश्री जसनीत गुरम, कार्यपालक निदेशक (वित्त), श्री आर.के. चतुर्वेदी, कार्यपालक निदेशक (परियोजना), तथा सिटी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर **श्रीमती परमिंदर चोपड़ा**, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पीएफसी ने कहा:
*"हमें **भारत में** एक्सपोर्ट फाइनेंस ऑस्ट्रेलिया की **पहली लेनदेन** में साझेदारी करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह सहयोग भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों में वैश्विक वित्तीय संस्थाओं के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। यह साझेदारी न केवल पीएफसी को प्रतिस्पर्धी और दीर्घकालिक वित्तीय संसाधनों तक पहुंच प्रदान करती है, बल्कि संधारणीय वित्त के क्षेत्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया के सहयोग को भी मजबूत बनाती है। यह भागीदारी पीएफसी के अपने **वित्तपोषण स्रोतों में विविधता लाने, वैश्विक साझेदारियों के निर्माण,** और भारत को **निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था** की ओर ले जाने के संकल्प को दर्शाती है।"*

ह/-
**(एस.एस. राव)**
**मुख्य महाप्रबंधक (पीआर)**